CHETANA
International Journal of Education (CIJE)
Peer Reviewed/Refereed Journal
ISSN : 2455-8279 (E)/2231-3613 (P)
Impact Factor
SJIF 2026-8.584

Prof. A.P. Sharma
Founder Editor, CIJE
(25.12.1932 - 09.01.2019)

व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत छात्रावासी व गैर छात्रावासी विद्यार्थियों के समायोजन क्षमता का तुलनात्मक अध्ययन

रतन देवी सैनी
शोधार्थी
प्रो. (डॉ.) विनोद कुमार उपाध्याय
निर्देशक, प्राचार्य (शिक्षा संकाय)
महाराज विनायक ग्लोबल विश्वविद्यालय, जयपुर (राज.)
Email-ratandevisaini1981@gmail.com, Mobile-9536037085

……
First draft received: 07.02.2026, Reviewed: 09.02.2026
Final proof received: 11.02.2026, Accepted: 15.02.2026

शोध सारांश

प्रत्येक बालक का पालन–पोषण एवं विकास एक निश्चित वातावरण में होता है। इस वातावरण का उसके व्यक्तित्व के विकास तथा समायोजन में महत्वपूर्ण योगदान होता है। वातावरण उस स्वस्थ पानी एवं जलवायु की तरह हैं जो बालक में अन्तर्निहित शक्तियों रूपी बीज को पूर्ण वृक्ष के रूप में विकसित करता है। सही वातावरण नहीं मिलने पर अनेक प्रतिभाएँ अविकसित ही मर जाती है। अतः बालक को जैसा भौतिक, सामाजिक वातावरण मिलता है वैसी ही उसकी जन्मजात शक्तियाँ विकसित होती है। सारांश यह है कि जन्मजात शक्तियाँ यदि शिक्षा का आधार है तो वातावरण शिक्षा का माध्यम खाद एवं जलवायु है और शिक्षा का फल है बालक की अन्तर्निहित शक्तियों का विकास। प्रस्तुत शोध कार्य के उद्देश्य व्यावसायिक पाठ्यक्रम (बी.एड., बी.एस.टी.सी., नर्सिंग एवं अभियांत्रिक) में अध्ययनरत छात्रावासी एवं गैर छात्रावासी विद्यार्थियों के समायोजन क्षमता का तुलनात्मक अध्ययन करना। प्रस्तुत शोध कार्य में विभिन्न पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत 480 विद्यार्थियों को यादृच्छिक विधि से चयन किया गया तथा शोध विधि के अन्तर्गत सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया। दत्तों के विश्लेषण हेतु शून्य परिकल्पनाओं का निर्माण कर टी–परीक्षण सांख्यिकी का प्रयोग किया गया है। शोध के निष्कर्ष में पाया कि बी.एड. में अध्ययनरत छात्रावासी एवं गैर छात्रावासी विद्यार्थियों के समायोजन क्षमता में सार्थक अन्तर पाया गया। बी.एस.टी.सी. में अध्ययनरत छात्रावासी एवं गैर छात्रावासी विद्यार्थियों के समायोजन क्षमता में सार्थक अन्तर नहीं पाया गया। नर्सिंग में अध्ययनरत छात्रावासी एवं गैर छात्रावासी विद्यार्थियों के समायोजन क्षमता में सार्थक अन्तर नहीं पाया गया। अभियांत्रिकी में अध्ययनरत छात्रावासी एवं गैर छात्रावासी विद्यार्थियों के समायोजन क्षमता में सार्थक अन्तर नहीं पाया गया।

मुख्य शब्द : *व्यावसायिक पाठ्यक्रम, छात्रावासी, गैर छात्रावासी, विद्यार्थी, समायोजन क्षमता।*

प्रस्तावना

जिस प्रकार सभी प्राणी अपने जीवन में वातावरण के साथ सामंजस्य स्थापित करते हैं उसी प्रकार प्रत्येक मनुष्य भी जीवनपर्यन्त अनुकूल एवं प्रतिकूल परिस्थिति से निरन्तर सामंजस्य स्थापित करते हुए जीवन व्यतीत करने की चेष्टा करता है। कुछ लोग प्रतिकूल परिस्थितियों का सामना करने में सफल और कुछ हार मान कर अपना संतुलन खो बैठते हैं। इस प्रकार के व्यक्तित्व में असन्तोष एवं मानसिक द्वंद्व के शिकार बने रहते है। साधारणतया यह प्रक्रिया व्यक्ति के जीवन में निरन्तर चलती रहती है जीवन में सभी व्यक्तियों की ऐसी परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है। जब वे अपनी इच्छाओं अथवा आवश्यकताओं को तुरन्त या पूर्ण रूप से संतुष्टि नहीं कर पाते है। वे धीरे–धीरे अपनी आवश्यकताओं को सन्तुष्ट करने का प्रयास करते है ये प्रयास ही असमायोजन कहलाता है। समायोजन का अर्थ स्पष्ट करते हुए अपने विद्वान एवं महापुरूषों ने अपने–अपने मत व्यक्त किये हैं। परन्तु कोई भी पूर्ण परिभाषा समायोजन पर लागू नहीं हो सकी है। चूंकि समायोजन का क्षेत्र बहुत विस्तृत हैं और प्रत्येक व्यक्ति अपने जीवन को वातावरण के अनुकूल समायोजन करने में कार्य करता है।

समस्या का औचित्य

विद्यालय भिन्नता या विद्यालय वातावरण प्रत्यक्ष अथवा परोक्ष रूप से बालक के व्यक्तित्व का निर्धारण करती है एवं उसके आचरण को प्रभावित करती है। प्रत्येक बालक का पालन–पोषण एवं विकास एक निश्चित वातावरण में होता है। इस वातावरण का उसके व्यक्तित्व के विकास तथा समायोजन में महत्वपूर्ण योगदान होता है। वातावरण उस स्वस्थ पानी एवं जलवायु की तरह हैं जो बालक में अन्तर्निहित शक्तियों रूपी बीज को पूर्ण वृक्ष के रूप में विकसित करता है। सही वातावरण नहीं मिलने पर अनेक प्रतिभाएँ अविकसित ही मर जाती है। अतः बालक को जैसा भौतिक, सामाजिक वातावरण मिलता है वैसी ही उसकी जन्मजात शक्तियाँ विकसित होती है। सारांश यह है कि जन्मजात शक्तियाँ यदि शिक्षा का आधार है तो वातावरण शिक्षा का माध्यम खाद एवं जलवायु है और शिक्षा का फल है बालक की अन्तर्निहित शक्तियों का विकास।

अतः उपरोक्त तथ्यों को स्वीकारते हुए शोधकर्त्री द्वारा यह विचार किया गया कि विद्यालय विविधता छात्रावासी विद्यालय एवं गैर छात्रावासी विद्यालय का विद्यार्थियों के समायोजन क्षमता पर क्या प्रभाव पड़ता है? इसका अध्ययन करने हेतु शोधकर्त्री ने अपना शोध कार्य "व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत छात्रावासी व गैर छात्रावासी विद्यार्थियों के समायोजन क्षमता का तुलनात्मक अध्ययन" विषय पर करने का निश्चय किया है। जिससे वास्तविक स्थिति का पता लगाया जा सके तथा उसमें सुधार किया जा सके। अतः प्रस्तुत समस्या का चयन औचित्यपूर्ण है तथा वर्तमान में इसका अध्ययन किया जाना आवश्यक है।

समस्या कथन

"व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत छात्रावासी व गैर छात्रावासी विद्यार्थियों के समायोजन क्षमता का तुलनात्मक अध्ययन"

शोध के उद्देश्य

1. बी.एड. में अध्ययनरत छात्रावासी एवं गैर छात्रावासी विद्यार्थियों के समायोजन क्षमता का तुलनात्मक अध्ययन करना।
2. बी.एस.टी.सी. में अध्ययनरत छात्रावासी एवं गैर छात्रावासी विद्यार्थियों के समायोजन क्षमता का तुलनात्मक अध्ययन करना।
3. नर्सिंग में अध्ययनरत छात्रावासी एवं गैर छात्रावासी विद्यार्थियों के समायोजन क्षमता का तुलनात्मक अध्ययन करना।
4. अभियांत्रिकी में अध्ययनरत छात्रावासी एवं गैर छात्रावासी विद्यार्थियों के समायोजन क्षमता का तुलनात्मक अध्ययन करना।

शोध की परिकल्पनाएँ

1. बी.एड. में अध्ययनरत छात्रावासी एवं गैर छात्रावासी विद्यार्थियों के समायोजन क्षमता में सार्थक अन्तर नहीं पाया जाता है।
2. बी.एस.टी.सी. में अध्ययनरत छात्रावासी एवं गैर छात्रावासी विद्यार्थियों के समायोजन क्षमता में सार्थक अन्तर नहीं पाया जाता है।
3. नर्सिंग में अध्ययनरत छात्रावासी एवं गैर छात्रावासी विद्यार्थियों के समायोजन क्षमता में सार्थक अन्तर नहीं पाया जाता है।
4. अभियांत्रिकी में अध्ययनरत छात्रावासी एवं गैर छात्रावासी विद्यार्थियों के समायोजन क्षमता में सार्थक अन्तर नहीं पाया जाता है।

शोध विधि

प्रस्तुत शोध के लिए **सर्वेक्षण विधि** का प्रयोग किया गया है।

जनसंख्या एवं न्यादर्श

प्रस्तुत शोध में यादृच्छिक न्यादर्श विधि द्वारा राजस्थान राज्य के जयपुर जिले के बी.एड., बी.एस.टी.सी., नर्सिंग, अभियान्त्रिक महाविद्यालयों में अध्ययनरत 480 विद्यार्थियों को लिया गया है। जिसका विवरण निम्न प्रकार है–

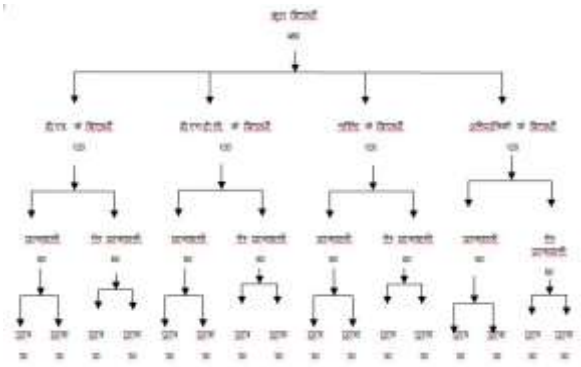

शोध के उपकरण

प्रस्तुत शोध में मानकीकृत उपकरण डॉ. एस. एम. मोहसिन, डॉ. शमशाद हुसैन एवं डॉ. खुर्शीद जहां द्वारा निर्मित 'बेल समायोजन मापनी' (Bell Adjustment Inventory) मानकीकृत उपकरण का प्रयोग किया गया है।

सांख्यिकी

प्रस्तुत शोध में मध्यमान, मानक विचलन एवं टी–परीक्षण सांख्यिकी विधि का प्रयोग किया गया है।

तथ्यों का विश्लेषण एवं वर्गीकरण

परिकल्पना संख्या 1– बी.एड. में अध्ययनरत छात्रावासी एवं गैर छात्रावासी विद्यार्थियों के समायोजन क्षमता में सार्थक अन्तर नहीं पाया जाता है।

तालिका संख्या– 1

समूह	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	टी–परीक्षण	स्वीकृत / अस्वीकृत
बी.एड. के छात्रावासी विद्यार्थी	60	86.35	5.61	3.75	दोनों स्तर पर अस्वीकृत
बी.एड. के गैर छात्रावासी विद्यार्थी	60	89.80	4.40		

0.05 स्तर पर टी–मान = 2.00
स्वतंत्रता के अंश = 118

0.01 स्तर पर टी–मान = 2.66

तालिका संख्या–1 में स्वतंत्रता के अंश 118 पर टी का मान 3.75 प्राप्त हुआ। जो 0.05 एवं 0.01 स्तर पर सार्थक टी–मान 2.00 एवं 2.66 से अधिक है। अतः परिकल्पना "बी.एड. में अध्ययनरत छात्रावासी एवं गैर छात्रावासी विद्यार्थियों के समायोजन क्षमता में सार्थक अन्तर नहीं पाया जाता है" दोनों स्तर पर अस्वीकृत की जाती है।

परिकल्पना संख्या 2– बी.एस.टी.सी. में अध्ययनरत छात्रावासी एवं गैर छात्रावासी विद्यार्थियों के समायोजन क्षमता में सार्थक अन्तर नहीं पाया जाता है।

तालिका संख्या– 2

समूह	संख्या	मध्य मान	मानक विचलन	टी–परीक्षण	स्वीकृत / अस्वीकृत
बी.एस.टी.सी. के छात्रावासी विद्यार्थी	60	89.00	4.33	0.86	दोनों स्तर पर स्वीकृत
बी.एस.टी.सी. के गैर छात्रावासी विद्यार्थी	60	88.00	4.49		

0.05 स्तर पर टी–मान = 2.00
स्वतंत्रता के अंश = 118

0.01 स्तर पर टी–मान = 2.66

तालिका संख्या– 2 में स्वतंत्रता के अंश 118 पर टी का मान 0.86 प्राप्त हुआ। जो 0.05 एवं 0.01 स्तर पर सार्थक टी–मान 2.00 एवं 2.66 से कम है। अतः परिकल्पना "बी.एस.टी.सी. में अध्ययनरत छात्रावासी एवं गैर छात्रावासी विद्यार्थियों के समायोजन क्षमता में सार्थक अन्तर नहीं पाया जाता है" दोनों स्तर पर स्वीकृत की जाती है।

परिकल्पना संख्या 3– नर्सिंग में अध्ययनरत छात्रावासी एवं गैर छात्रावासी विद्यार्थियों के समायोजन क्षमता में सार्थक अन्तर नहीं पाया जाता है।

तालिका संख्या– 3

समूह	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	टी–परीक्षण	स्वीकृत / अस्वीकृत
नर्सिंग के छात्रावासी विद्यार्थी	60	90.00	4.44	1.59	दोनों स्तर पर स्वीकृत
नर्सिंग के गैर छात्रावासी विद्यार्थी	60	89.00	4.54		

0.05 स्तर पर टी–मान = 2.00
स्वतंत्रता के अंश = 118

0.01 स्तर पर टी–मान = 2.66

तालिका संख्या– 3 में स्वतंत्रता के अंश 118 पर टी का मान 1.59 प्राप्त हुआ। जो 0.05 एवं 0.01 स्तर पर सार्थक टी–मान 2.00 एवं 2.66 से कम है। अतः परिकल्पना "नर्सिंग में अध्ययनरत छात्रावासी एवं गैर छात्रावासी विद्यार्थियों के समायोजन क्षमता में सार्थक अन्तर नहीं पाया जाता है" दोनों स्तर पर स्वीकृत की जाती है।

परिकल्पना संख्या 4– अभियांत्रिकी में अध्ययनरत छात्रावासी एवं गैर छात्रावासी विद्यार्थियों के समायोजन क्षमता में सार्थक अन्तर नहीं पाया जाता है।

तालिका संख्या– 4

समूह	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	टी–परीक्षण	स्वीकृत / अस्वीकृत
अभियान्त्रिकी के छात्रावासी विद्यार्थी	60	89.00	4.05	1.69	दोनों स्तर पर स्वीकृत
अभियान्त्रिकी के गैर छात्रावासी विद्यार्थी	60	88.00	4.45		

0.05 स्तर पर टी–मान = 2.00
स्वतंत्रता के अंश = 118

0.01 स्तर पर टी–मान = 2.66

तालिका संख्या–4 में स्वतंत्रता के अंश 118 पर टी का मान 1.69 प्राप्त हुआ। जो 0.05 एवं 0.01 स्तर पर सार्थक टी–मान 2.00 एवं 2.66 से कम है। अतः

परिकल्पना "अभियान्त्रिकी में अध्ययनरत छात्रावासी एवं गैर छात्रावासी विद्यार्थियों के समायोजन क्षमता में सार्थक अन्तर नहीं पाया जाता है" दोनों स्तर पर स्वीकृत की जाती है।

शोध से प्राप्त निष्कर्ष

1. बी.एड. में अध्ययनरत छात्रावासी एवं गैर छात्रावासी विद्यार्थियों के समायोजन क्षमता में सार्थक अन्तर पाया गया।
2. बी.एस.टी.सी. में अध्ययनरत छात्रावासी एवं गैर छात्रावासी विद्यार्थियों के समायोजन क्षमता में सार्थक अन्तर नहीं पाया गया।
3. नर्सिंग में अध्ययनरत छात्रावासी एवं गैर छात्रावासी विद्यार्थियों के समायोजन क्षमता में सार्थक अन्तर नहीं पाया गया।
4. अभियांत्रिकी में अध्ययनरत छात्रावासी एवं गैर छात्रावासी विद्यार्थियों के समायोजन क्षमता में सार्थक अन्तर नहीं पाया गया।

सन्दर्भ ग्रन्थ

- अस्थाना, विपिन (1997) : ''मनोविज्ञान और शिक्षा में मापन एवं मूल्यांकन'', आगरा, विनोद पुस्तक मन्दिर।
- अरोडा, रीता एवं मारवाह सुदेश (2005) : ''शिक्षा मनोविज्ञान एवं सांख्यिकी'', जयपुर, शिक्षा प्रकाशन।
- भार्गव, महेश (1991) : मनोवैज्ञानिक परीक्षण एवं मापन, आगरा, एच. पी. भार्गव बुक हाउस।
- भटनागर, ए.बी., भटनागर मीनाक्षी (2004) : ''शिक्षण व अधिगम का मनोविज्ञान'', मेरठ, आर लाल. बुक डिपों।
- भार्गव, ऊषा (1993) : ''किशोर मनोविज्ञान'', जयपुर, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी।
- जायसवाल, सीताराम : ''शिक्षा मनोविज्ञान'', लखनऊ, डालीगंज रेलवे क्रासिंग, सीतापुरा रोड।
- मणि, शारदा (1993) : ''किशोर मनोविज्ञान'' कार्यन्वय निर्देशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय।